ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शनिवार 11 अप्रैल 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 3 अंक 10

केकड़ी बना प्रदेश का पहला पूर्ण फ्री वाई-फाई शहर, 3 करोड़ की सौगात

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। राजस्थान के डिजिटल मानचित्र पर शुक्रवार, 10 अप्रैल को एक नया इतिहास रचा गया। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने केकड़ी को प्रदेश का पहला 'फ्री वाई-फाई जोन' घोषित कर शहरवासियों को 24 घंटे निशुल्क हाई-स्पीड इंटरनेट की सौगात दी है। करीब 3 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस प्रोजेक्ट के जरिए सरकार ने केकड़ी को तकनीकी रूप से सशक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक 'स्मार्ट सिटी' मॉडल के रूप में पेश किया है। प्रोजेक्ट के तहत पूरे शहर को 8 रणनीतिक जोन में बांटा गया है, जहाँ 45 हाई-टेक एक्सेस पॉइंट लगाए गए हैं। प्रत्येक पॉइंट से 100 मीटर के दायरे में नागरिक 5 MBPS की स्पीड का लाभ ले सकेंगे। कोर्ट परिसर एवं पंचायत समिति। राजकीय जिला अस्पताल एवं नगर पालिका परिसर। बस स्टैंड, ऐतिहासिक घंटाघर, तेलियान मंदिर और खाटू श्याम मंदिर में एक्सेस किया जा सकेगा।

पोर्न और प्रतिबंधित साइट्स पर रहेगा 'डिजिटल ताला'

प्रोजेक्ट इंचार्ज नितिन शर्मा के अनुसार, यह पूरी तरह से पब्लिक वाई-फाई है, इसलिए सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। 'सेफ्टी प्रोटोकॉल' के तहत एक यूजर एक बार लॉगिन करने पर एक घंटे तक ही इंटरनेट यूज कर सकेगा, जिसके बाद उसे पुनः लॉगिन करना होगा। साथ ही, पोर्नोग्राफी और सरकार द्वारा प्रतिबंधित सभी साइट्स को पूरी तरह ब्लॉक रखा गया है।

28 दिन में बिछा जाल, 70 दिन तक हुई 'अग्निपरीक्षा'

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की रफ्तार भी मिसाल बनी है। 1 जनवरी से काम शुरू हुआ और मात्र 28 दिनों में नेटवर्क इंस्टॉलेशन पूरा कर लिया गया। जनता के लिए खोलने से पहले व्यवस्था को दोषमुक्त बनाने के लिए 70 दिनों तक इसकी सघन टेस्टिंग की गई। विधायक शत्रुघ्न गौतम ने बताया कि इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को ऑनलाइन क्लासेज के लिए अब जेब ढीली नहीं करनी पड़ेगी। सदर बाजार के दुकानदारों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि फ्री इंटरनेट से यूपीआई (UPI) पेमेंट में आने वाली सर्वर की समस्या खत्म होगी और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा मिलेगा। सिस्टम के सुचारू संचालन के लिए नगर पालिका में एक समर्पित कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहाँ दो तकनीकी विशेषज्ञ 24 घंटे मॉनिटरिंग करेंगे। संबंधित कंपनी अगले 3 सालों तक पूरे सिस्टम का मेंटेनेंस संभालेगी।

देलवाड़ा में 5-स्टार होटल के पीछे पहाड़ियों में लहलहा रहा था 10 करोड़ का गांजा, ANTF और NCB का संयुक्त स्ट्राइक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मेवाड़ और मारवाड़ में नशे की जड़ों को काटने के लिए उदयपुर की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) और जोधपुर की एनसीबी (NCB) टीम ने शनिवार को एक ऐतिहासिक संयुक्त ऑपरेशन को अंजाम दिया। राजसमंद जिले के देलवाड़ा इलाके में एक नामी 5-स्टार होटल के ठीक पीछे स्थित पहाड़ियों पर पुलिस ने गांजे की एक विशाल अवैध खेती पकड़ी है। जब्त की गई फसल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। पुलिस ने मौके से करीब 5860 हरे-भरे पौधे बरामद किए हैं, जिन्हें बहुत ही शातिराना तरीके से दुनिया की नजरों से छिपाकर उगाया गया था।

हथेलियों की 'अंजलि' जैसे आकार वाले खेत में मिला खजाना

इस पूरे ऑपरेशन को एएनटीएफ आईजी विकास कुमार और एनसीबी के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी के नेतृत्व में 'ऑपरेशन गांजाजुली' नाम दिया गया। इस नाम के पीछे की वजह भी काफी दिलचस्प है। जिस 6 बीघा निजी जमीन पर यह खेती की जा रही थी, उसका भौगोलिक आकार बिल्कुल वैसा है जैसे दोनों हथेलियों को जोड़कर 'अंजलि' बनाई जाती है। इसी अनूठी बनावट के कारण अधिकारियों ने 'गांजा' और 'अंजलि' शब्दों को मिलाकर इसे 'गांजाजुली' नाम दिया।

गेहूं की फसल बनी 'सुरक्षा कवच', ड्रोन को भी दिया चकमा

तस्करों की शातिर कार्यप्रणाली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने गांजे के इन पौधों को गेहूं की फसल के बीच में उगाया था। जब तक गेहूं की फसल खड़ी रही, तब तक किसी को भनक तक नहीं लगी कि उसके बीच में करोड़ों का नशा तैयार हो रहा है। हाल ही में गेहूं की कटाई के बाद जब ये पौधे पूरी तरह नजर आने लगे, तब पुलिस ने दबिश दी। पहाड़ियों की ऊंची ढलान पर होने के कारण यह खेत सड़क से भी दिखाई नहीं देता था और तस्करों ने इसकी लोकेशन ऐसी चुनी थी कि ड्रोन कैमरों की नजर भी वहां आसानी से न पहुंच सके।

बुजुर्ग मालिक गिरफ्तार, 19 खातेदार रडार पर

पुलिस ने मौके से खेत के मालिक, 65 वर्षीय नत्थूलाल गमेती को गिरफ्तार किया है। नत्थूलाल राजसमंद के खमनोर थाना क्षेत्र के रायानाल गांव का निवासी है। गिरफ्तारी के समय वह गांजे के छोटे-छोटे पैकेट बनाकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि इस विवादित जमीन के कुल 19 खातेदार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

नेटवर्क की कड़ीः जयपुर से मिला था सुराग

आईजी विकास कुमार ने बताया कि इस बड़ी कामयाबी का सुराग जयपुर में हाल ही में पकड़े गए एक बिचौलिए से मिला था। पूछताछ में उसने कुबूल किया था कि वह देलवाड़ा इलाके से गांजे की खेप लाता है। इसी इनपुट के आधार पर एएनटीएफ चौकी की टीम पिछले लंबे समय से इस दुर्गम पहाड़ी इलाके की निगरानी कर रही थी। पिछले 6 महीनों में एएनटीएफ की यह सातवीं बड़ी कार्रवाई है, जो मेवाड़ के पहाड़ी क्षेत्रों में नशे के पनपते नेटवर्क पर करारी चोट है।

कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल का हेलिकॉप्टर हेलीपैड छोड़ पार्किंग में उतरा, DGCA करेगा जांच

24 न्यूज अपडेट

पुणे। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल शनिवार को एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। पुणे के पुरंदर इलाके में एक गंभीर सुरक्षा चूक के चलते उनका हेलिकॉप्टर तय हेलीपैड के बजाय करीब एक किलोमीटर दूर कारों की पार्किंग में लैंड कर गया। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं। भुजबल महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के कार्यक्रम में शिरकत करने पुणे पहुंचे थे। प्रशासन के अनुसार, हेलिकॉप्टर के लिए बाकायदा हेलीपैड तैयार किया गया था और क्रू को इसकी जानकारी भी दी गई थी। बावजूद इसके, पायलट ने हेलीपैड से एक किलोमीटर दूर खाली पार्किंग स्थल को ही लैंडिंग साइट समझ लिया और वहां हेलिकॉप्टर उतार दिया। धूल का गुबार और सुरक्षा पर सवाल सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि जिस जगह हेलिकॉप्टर उतरा, वहां कई कारें कतार में खड़ी थीं। लैंडिंग के दौरान धूल का एक बड़ा गुबार उठा, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह लैंडिंग बेहद जोखिम भरी थी, क्योंकि हेलिकॉप्टर के रोटर (पंखुड़ियां) पास खड़ी गाड़ियों या इमारतों से टकरा सकते थे, जिससे बड़ा विस्फोट हो सकता था। हादसे के बाद मंत्री छगन भुजबल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "चिंता की कोई बात नहीं है, हम सभी सुरक्षित हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पायलट ने स्थानीय लोक निर्माण विभाग (PWD) के निर्देशों को नजरअंदाज किया। पुलिस अब इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट DGCA को सौंपेगी, जिसके आधार पर पायलट का लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है।

कानून को चकमा देने 'लिव-इन पार्टनर' के नाम कर दी आलीशान कोठी, नागौर पुलिस ने संपत्ति को किया फ्रीज

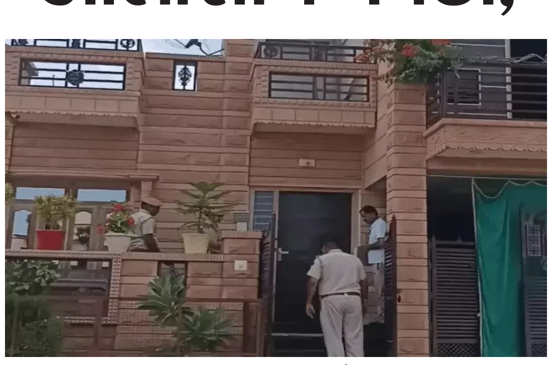

24 न्यूज अपडेट

नागौर। नशा तस्करी के जरिए साम्राज्य खड़ा करने वाले अपराधियों के खिलाफ नागौर पुलिस ने एक बड़ी और नजीर पेश करने वाली कार्रवाई को अंजाम दिया है। सुरपालिया थाना पुलिस ने कुख्यात तस्कर बहादुर सिंह उर्फ समीर द्वारा तस्करी की काली कमाई से बनाई गई करीब 50 लाख रुपए की आलीशान कोठी को शनिवार को फ्रीज (सीज) कर दिया। शातिर तस्कर ने कानूनी शिकंजे से बचने के लिए इस बेशकीमती संपत्ति को अपनी लिव-इन पार्टनर के नाम करवा रखा था, लेकिन पुलिस की पैनी जांच और दिल्ली से मिले आदेशों ने उसकी इस चालाकी को नाकाम कर दिया।

6 साल की मेहनत और तस्करी की कमाई से खड़ी की कोठी पुलिस जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जानेवा निवासी बहादुर सिंह पिछले 6 सालों से पुलिस की नजरों से बचकर अपनी अवैध कमाई को ठिकाने लगा रहा था। उसने नागौर के शारदापुरम इलाके में एक प्लॉट खरीदा और उस पर आलीशान मकान का निर्माण करवाया। बीकानेर के पांचू थाने में बहादुर सिंह के खिलाफ स्मैक तस्करी के दो गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें पुलिस पहले ही कोर्ट में चार्जशीट पेश कर चुकी है। पुलिस का मानना है कि इन तस्करी की वारदातों से जुटाए गए धन का उपयोग ही इस निर्माणाधीन कोठी में किया गया था।

नई दिल्ली के सक्षम प्राधिकारी ने दिए आदेश

सुरपालिया थानाधिकारी सुमन कुलहरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस बेनामी संपत्ति के विरुद्ध पुख्ता सबूत जुटाए। तस्करी के पैसों और संपत्ति के संबंध को जोड़ते हुए पूरी रिपोर्ट नई दिल्ली स्थित 'सक्षम प्राधिकारी' (COMPETENT AUTHORITY) के समक्ष प्रस्तुत की गई। दस्तावेजों के गहन परीक्षण के बाद दिल्ली से संपत्ति को फ्रीज करने के आदेश जारी हुए। इन्हीं आदेशों की पालना में शनिवार को पुलिस जाब्ता शारदापुरम पहुंचा और एनडीपीएस एक्ट की धारा 68F के तहत मकान को सीज करने की औपचारिक कार्रवाई पूरी की। अब इस संपत्ति को न तो बेचा जा सकेगा और न ही इसका हस्तांतरण होगा।

अपराधियों में कानून का भय जरूरीः एसपी

नागौर एसपी रोशन मीना ने इस कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिले में नशा तस्करों और संगठित अपराधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस लगातार उनके आर्थिक ढांचे पर चोट कर रही है। अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति को फ्रीज करना इसी रणनीति का हिस्सा है, ताकि अपराधियों में कानून का खौफ बना रहे। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई के बाद जिले के अन्य नशा तस्करों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

सफर होगा और भी शानदार, रेलवे को जल्द मिलेगी 120 नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः भारतीय रेलवे की सबसे बहुप्रतीक्षित और महत्वाकांक्षी 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' परियोजना को लेकर एक बड़ा और महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है. रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सतीश कुमार ने घोषणा की है कि रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) के नेतृत्व वाले संयुक्त उपक्रम द्वारा बनाई जा रही नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का प्रारूप (प्रोटोटाइप) अगले एक वर्ष के भीतर हर हाल में परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा.

स्थापना दिवस पर हुई घोषणा

आरवीएनएल के 21वें स्थापना दिवस समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए रेलवे बोर्ड प्रमुख ने स्पष्ट किया कि वंदे भारत स्लीपर कंपनी की सबसे महत्वपूर्ण और प्रमुख परियोजनाओं में से एक है. उन्होंने उम्मीद जताई कि इसका पहला प्रारूप एक वर्ष के भीतर अंतिम परीक्षण के लिए रेल ट्रैक पर उतार दिया जाएगा. इस सफल परीक्षण और सुरक्षा मानकों की हरी झंडी के बाद, कंपनी को भारतीय रेलवे को कुल 120 अत्याधुनिक स्लीपर ट्रेनों की बड़ी खेप की आपूर्ति करनी होगी.

समयसीमा को लेकर कयासों का दौर

हालांकि सतीश कुमार ने अपने संबोधन में किसी निश्चित महीने या तारीख का प्रत्यक्ष उल्लेख नहीं किया, लेकिन आरवीएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सलीम अहमद ने हाल ही में संकेत दिया था कि यह प्रारूप जून 2026 तक तैयार होकर पेश किया जा सकता है. वहीं दूसरी ओर, रेलवे के कुछ अन्य वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों के अनुसार काम तो बेहद तेज गति से जारी है, लेकिन जमीनी हकीकत और जटिल डिजाइनों को देखते हुए जून 2026 तक इसका पूरा परीक्षण संभव नहीं लग रहा है और इसमें अगले वर्ष तक की आंशिक देरी हो सकती है.

वैश्विक डिजिटल लेनदेन में भारत की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत हुई, यूपीआई ने पूरे किए शानदार 10 साल

24 न्यूज अपडेट

भारत के स्वदेशी डिजिटल भुगतान माध्यम 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) ने आज अपनी स्थापना के 10 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं. इस विशेष अवसर पर सरकार द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, भारत अब दुनिया के कुल रियल-टाइम (तत्काल) डिजिटल लेनदेन में अकेले 49 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है. यह उपलब्धि भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान के नक्शे पर सबसे शीर्ष स्थान पर स्थापित करती है.

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस भुगतान प्रणाली ने सिर्फ जनवरी 2026 के महीने में ही 21.70 अरब (2170 करोड़) ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए, जिनका कुल मूल्य 28.33 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया. वर्तमान में भारत के कुल खुदरा (रिटेल) डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी 81 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है.

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और विश्व बैंक जैसी वैश्विक संस्थाओं ने भी भारत के इस बुनियादी ढांचे की सराहना की है. आईएमएफ ने यूपीआई को वॉल्यूम (लेनदेन की संख्या) के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम करार दिया है. इस पूरे तंत्र को भारत ने महज एक दशक के भीतर विकसित और स्थापित किया है.

शुरुआत से लेकर अब तक यूपीआई ने लेनदेन की संख्या (वॉल्यूम) में 12,000 गुना और मूल्य (वैल्यू) के मामले में 4,000 गुना से अधिक की अविश्वसनीय बढ़त दर्ज की है. सरकार के आधिकारिक बयान में कहा गया कि यूपीआई का असली प्रभाव सिर्फ इन बड़े आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी वास्तविक सफलता ग्रामीण हाट-बाजारों, रेहड़ी-पटरी वालों और ऑटो चालकों तक इसकी पहुंच में निहित है. इसने अमीर-गरीब और शहरी-ग्रामीण के बीच के डिजिटल अंतर को पूरी तरह समाप्त कर दिया है.

संपादकीय : जोखिम में बचपन

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन नौनिहालों को हम देश का भविष्य मानते हैं, उनमें से बहुत सारे बच्चे आज बहुस्तरीय जोखिम के बीच से गुजर रहे हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के अनेक रूप के अलावा बाल तस्करी का संजाल आज इस कदर जटिल होता जा रहा है। कि इससे निपटना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि इस अपराध को काबू में करना और बच्चों को इस खतरे से बचाना सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी और सबसे ऊपर की प्राथमिकता में दर्ज होना चाहिए। मगर हालत यह है कि देश के सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देना पड़ रहा है कि वे बच्चों के खिलाफ इस अपराध को गंभीरता से लें। गौरतलब है कि बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है। हैरानी की बात यह है कि बाल तस्करी के फैलते जाल पर शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बावजूद कई राज्यों ने अब तक न जरूरी रपट तैयार की है और न ही समितियां बनाई हैं। समस्या की गंभीरता को देखते हुए स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताई। दरअसल, करीब एक वर्ष पहले अदालत ने अपने एक फैसले में संगठित तस्करी के जाल को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए थे। इनमें तस्करी के मामले में छह महीने के भीतर हर रोज सुनवाई करना, मानव तस्करी रोधी इकाइयों को मजबूत करना और जांच प्रक्रिया में सुधार करना शामिल था। अदालत ने राज्यों को यह निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित संवेदनशील स्थानों की पहचान और निगरानी के लिए राज्यस्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मान कर जांच शुरू करें। मगर इस मुद्दे पर राज्य सरकारों के रुख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई राज्यों ने अभी तक तय प्रारूप में रपट तक दाखिल नहीं की है। सरकारी तंत्र में इस इच्छाशक्ति के अभाव और उदासीनता की वजह क्या यह है कि जो बच्चे तस्करी का शिकार हो जाते हैं, उनमें ज्यादातर समाज के गरीब और कमजोर तबके से आते हैं ? यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि देश में बाल तस्करी का संकट पिछले कुछ वर्षों के दौरान कितना गहरा गया है। खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बच्चों के लापता होने के मामलों में काफी तेजी दर्ज की गई। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश की स्थिति ज्यादा गंभीर है। सही है कि लापता होने वाले तमाम बच्चों में से कइयों को पुलिस खोज लेती है, लेकिन उनमें से बहुतों की कोई खबर नहीं मिलती। सवाल है कि जिन बच्चों को नहीं खोजा जा पाता, वे कहां जाते हैं और उनके साथ क्या होता है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि देश भर में जो बच्चे गायब हो जाते हैं, उन्हें बाल मजदूरी से लेकर यौन शोषण और अपराध की दुनिया के अंतहीन दलदल में झोंक दिया जाता है। एक परिवार अपने बच्चे के लापता होने के बाद किस दंश और दुख से 'गुजरता है, यह शायद बताने की जरूरत नहीं है। मगर कोई भी समाज और सत्ता बच्चों की तस्करी के मुद्दे को लेकर अगर गंभीर नहीं है, तो यह एक तरह से अपने ही भविष्य की त्रासदी को नजरअंदाज करना है।

हिंसा का मानस

बिहार के अररिया जिले में गुरुवार को मामूली कहासुनी के बाद सत्त विक्रेता द्वारा चाकू से हमला कर एक वाहन चालक की हत्या कर देने और इसके उपरांत आक्रोशित भीड़ द्वारा आरोपी को पीट-पीटकर मार डालने की घटना ने न केवल कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर हिंसक होती प्रवृत्ति को भी फिर से उजागर किया है। आखिर क्या वजह है कि किसी मामूली बात पर व्यक्ति को जान से मार देने वालों के हाथ जरा भी नहीं कांपते और न ही उनके चेहरे पर कानून का कोई खौफ नजर आता है! अगर कोई अपराध करता है, तो उसे सजा देने के लिए कानून और न्यायिक प्रक्रिया मौजूद है, भीड़ को यह अधिकार किसने दिया है कि वह सरेआम किसी को पीट-पीटकर मार डाले। इसे अराजकता नहीं तो और क्या कहा जाएगा? इस तरह की घटनाओं से पता चलता है कि हमारे सामाजिक, नैतिक और मानवीय मूल्यों का क्षरण किस स्तर पर पहुंच गया है। देश भर में इस तरह की खबरें अक्सर आती रहती हैं कि किसी ने मामूली बात पर दूसरे व्यक्ति की हत्या कर दी। ऐसी घटनाओं पर गंभीरता से गौर किया जाए, तो यह बात निकलकर सामने आती है कि जिस विवाद पर किसी बड़े अपराध को अंजाम दिया गया, उसे चैर्यपूर्वक बातचीत से आसानी से सुलझाया जा सकता था। पुलिस के मुताबिक, अररिया की घटना के पीछे भी विवाद सिर्फ इतना था कि एक व्यक्ति ने अपना वाहन सत्तू बेचने वाले के ठेले के सामने खड़ा कर दिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई और सत्तू विक्रेता ने वाहन चालक की हत्या कर उसका सिर काटकर अलग कर दिया। सवाल है कि घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने पहले बीच-बचाव क्यों नहीं किया और जब हत्या कर दी गई, तो वही भीड़ हिंसक कैसे हो गई? इसकी एक वजह सुरक्षा एजंसियों का लापरवाह रवैया भी है, जिस कारण समाज के एक वर्ग में कानून का कोई भय नहीं है। इस बात पर गौर किए जाने की जरूरत है कि किसी व्यक्ति के भीतर हिंसा और नफरत का भाव इतना गहरा होने का कारण क्या है और उसके स्रोत क्या हैं।

उदयपुर—सलूंबर की जनता के पैसों का 'रायता फैलाने' का अधिकार विधायकों को किसने दिया?? जोशी के खुलासे के बाद बोलती बंद क्यों??? जनता का पैसा अपनी तनख्वाह से वापस करें विधायक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर भाजपा में इन दिनों पॉलिटिकल लैंड माइंस के फटने का सिलसिला चल रहा है। बरसों से नेताओं के मन में उबल रहे ज्वालामुखी फूट रहे हैं। प्री उदयपुर फाइल्स और पोस्ट उदयपुर फाइल्स कालखंड में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया पर पहले चिट्ठी बम, उसके बाद बयानों के लंबी दूरी तक मार करने वाले राजनीतिक बयानों और मिसाइलों के ड्रोन। उसके जवाब में हाल ही में उदयपुर आए कटारिया के जवाबी नश्तर माहौल में राजनीतिक युद्ध जैसे हालातों का अहसास करवा रहे हैं। इन सबके बीच बरसों के गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं तो सनसीखेज तथ्यों की ऐसी फेहरिस्त सामने आ रही है कि जिसे देख कर जनता हैरान हैं कि पार्टी विद डिफरेंस के सूरमा आखिर उनकी आंखों में धूल झोंकते हुए किस—किस तरह से कारनामों को अंजाम दे रहे हैं।

हवाई यात्रा करने वाले सब भाजपाई खुद आर्थिक सक्षम थे

कल भाजपा के कद्दावर नेता धर्मनारायण जोशी ने गुलाबजी को जो 3700 से अधिक शब्दों की चिट्ठी लिखी वो अपने आप में राजनीतिक जवाब का एक क्लासिक शोध पत्र बनकर सामने आ गई। इसमें जो सवाल उठाए गए हैं आज वो प्रदेशभर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। इस पत्र में चर्चा उस खर्चे की भी जिस पर आज की हमारी यह खबर आधारित है। यह खर्चा आखिर क्यों किया गया यह सवाल अब उन विधायकों का पीछा कर रहा है जिन्होंने आंख मींचकर जनता का पैसा हवाई यात्रा पर हवा में उड़ा दिया। जो लोग हवाई यात्रा पर गए उसमें भाजपा के कई कद्दावर नेता भी शामिल हैं। कई तो जन प्रतिनिधि भी हैं। ऐसे आर्थिक रूप से सक्षम लोगों को जनता के टेक्स के पईसों का धुआं करके हवाई यात्रा पर लेकर जाना आखिर कहां की समझदारी थी?? इस सवाल का जवाब कौन देगा, इसका हिसाब आखिर कौन देगा?? क्या खर्च हुआ पैसा विधायकों के वेतन से ही नहीं वसूला जाना चाहिए। आदि—आदि सवाल अब बहुत विस्तार ले चुके हैं।

जोशी जी ने अपने पत्र में समर्थकों की मुफ्त गौहाटी हवाई यात्रा और वो भी विधायकों के यात्रा मद से करवाने का जिक्र करके सबको चौंका दिया हैं। विधायकों का हवाई खर्चे का यह सुपरपावर और उसके दुरूपयोग का सुपर पावरफुल दुस्साहस शायद सामने हीं नहीं आता अगर जोशी जी जवाबी मिसाइल में यह मिसाल नहीं देते।

जनजाति वर्ग के विधायकों के यात्रा मद का बेरहमी से उपयोग

जोशी ने अपने पत्र में लिखा है कि फरवरी 2023 में गुलाबजी ने असम के राज्यपाल पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण में आपके परिजनों, शुभचिन्तकों, समर्थकों की गौहाटी यात्रा का व्यय राजस्थान विधानसभा के चार विधायकों के व्यक्तिगत विधायक यात्रा मद से किया गया। ये चारों विधायक उदयपुर जिले के है और जनजाति वर्ग से आते हैं। ये चारों अपना अगला विधानसभा टिकट न कट जाये, इस कारण आपकी मिजाजपूर्सी में हवाई यात्रा का व्यय अपने विधानसभा यात्रा मद से देने को तैयार हो गये। आपके परिजन, मित्र, शुभचिन्तक, समर्थक आपके शपथग्रहण में जाये और उसका व्यय जनजाति वर्ग का भोला-भाला विधायक अपने यात्रा मद से वहन करें, यह कहां तक उचित व नैतिक है? इन विधायको ने निश्चित ही अपने राजनीतिक भविष्य को आपकी छत्र-छाया में सुरक्षित करने के लिए यह राशि समर्पित की। आपके द्वारा पोषित पल्लवित कुछ सम्पन्न लोगों ने भी इन जनजाति के इन विधायकों के यात्रा मद का बेरहमी से उपयोग किया।

चारों विधायकों का गौहाटी शपथग्रहण यात्रा व्यय इस प्रकार है -

क्र.सं.	नाम विधायक	विधानसभा क्षेत्र	व्यय राशि
1.	फुल सिंह मीणा	उदयपुर ग्रामीण	1,12,600/-
2.	अमृत लाल मीणा	सलुम्बर	9,68,402/-
3.	बाबू लाल खराडी	झाडोल	5,68,846/-
4.	प्रताप गमेती	गोगुन्दा	3,81,336/-
कुल	20,31,184/-		

राजस्थान सरकार के 20 बीस लाख रूपये आपके शपथग्रहण में आपके परिजनों व समर्थकों की यात्रा में व्यय किये। क्या यह मार्ग पं दीनदयाल जी के आदर्शो के अनुरूप है। क्या यह यात्रा साधन की शुचिता और हमारी संगठन पद्धति का आदर्श है?

उदयपुर के सभी विधायक जनता के सामने रखें हवाई यात्रा का ब्योरा??

राजस्थान में जहां तक 24 न्यूज अपडेट को जानकारी और अध्ययन है 3 लाख रूपए प्रति वर्ष पैसा मिलता है हवाई यात्रा के लिए। इसमें नियम यह है कि विधायक यात्रा में साथ होना चाहिए, दल चाहे जितना बड़ा हो। जो आंकड़े धर्मनारायण जोशी ने पत्र में दिए हैं उनको देख कर लगता है कि कोई एक सेंट्रलाइज्ड कमांड थी जिसने चार विधायकों को अपने फंड का सदुपयोग करने का आदेश दिया। उसी ने फंड की उपलब्धता के आधार पर उसका एलोकेशन ओर एडजेस्टमेंट किया। उसके बाद पॉलिटिकल कारवां उदयपुर से गुवाहाटी चल पड़ा नॉन पोलिटिकल हवाई यात्रा पर। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि यह उदयपुर और सलूंबर जिले की जनता के टेक्स का पैसा है। विधायक को कोई हक नहीं है कि वो इसे इस तरह की यात्राओं पर खर्च करे। यदि विधायक करते हैं तो उनकी भी जांच होनी चाहिए और विधानसभाअध्यक्ष की ओर से जांच बिठाई जानी चाहिए। जनता ने वोट देकर अपने धन के कस्टोडियन चुने हैं, मनमाने तरीके से खर्च करने वाले आका नहीं। सरकारी स्तर पर मामले की ना सिर्फ जांच होनी चाहिए बल्कि विधायकों को भी आगे आगर स्पष्टीकरण देना चाहिए कि उन्होंने यह खर्चा क्यों किया। इसका क्या जस्टिफिकेशन है। जनता ने विधायकों को उड़नखटोले में उड़ने व अपने साथ के खास लोगों को भी उड़ाने का मौका इसलिए दिया है ताकि जनता के कामों को हवाई गति से किया जा सके। खुद का कॅरियर और पार्टी के हितों को साधने के लिए तो कतई नहीं। इतने बड़े खुलासे के बाद भी किसी भी विधायक का सामने नहीं आना सवालों की गहराई और बढ़ा रहा है।

कंटेनर लूट के आरोपी तक 'साधु' बनकर पहुंची गोवर्धन विलास पुलिस, 22 साल बाद आया पकड़ में 10 हज़ार का ईनामी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर की गोवर्धनविलास थाना पुलिस ने दो दशक पुराने एक खौफनाक गुनाह का हिसाब चुकता कर दिया है। साल 2004 में हाईवे पर कंटेनर लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हुए 10,000 के इनामी डकैत देवीसिंह कंजर (57) को पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में धर दबोचा। शातिर बदमाश को पकड़ने के लिए राजस्थान पुलिस की टीम को मध्य प्रदेश के देवास में 'साधु' का भेष धारण करना पड़ा। मामला 29 जुलाई 2004 का है। कपड़ों से भरा एक कंटेनर सूरत से जयपुर जा रहा था। रात करीब 10 बजे पडुणा के पास टाटा सूमो सवार 10-12 बदमाशों ने कंटेनर को रुकवाया। डकैतों ने ड्राइवर रविंद्र और खलासी को बेरहमी से पीटा, उनके हाथ-पैर बांधे और आंखों पर पट्टी बांधकर मक्के के खेत में डाल दिया था। बदमाश पूरा कंटेनर लूट ले गए थे।

'बाबा' बन कर मंदिरों में जुटाई सूचना

आरोपी देवीसिंह इतना शातिर था कि बीते 22 सालों में एक दर्जन बार पुलिस की आंखों में धूल झोंक चुका था। हाल ही में एसपी अमृता दुहन के निर्देश पर प्रशिक्षु आरपीएस रामकुमार भादु के नेतृत्व में विशेष टीम बनी। एएसआई मनोहर सिंह और टीम देवास के चिड़ावद गांव पहुंची। पहचान छिपाने के लिए पुलिसकर्मियों ने साधु का हुलिया अपनाया। गांव के बाजारों और मंदिरों के पुजारियों के बीच रहकर गोपनीय सूचनाएं जुटाईं। 10 अप्रैल की सुबह पुलिस को सटीक इनपुट मिला कि देवीसिंह खेत पर जाने वाला है। जब साधु के वेश में पुलिस घर के पास पहुंची, तो उसे आहट हो गई। वह भागकर बाड़े में छिप गया, लेकिन मुस्तैद टीम ने घेरा डालकर उसे दबोच लिया। आरोपी पर मध्य प्रदेश में भी कई मामले दर्ज हैं। इस केस में 5 आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि एक की मौत हो चुकी है। आरोपी पर पहले 2,000 का इनाम था, जिसे साल 2023 में बढ़ाकर 10,000 किया गया था।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में एक और वाहन चोरी की घटना सामने आई है। पानेरियों की मादड़ी इलाके में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 3 अप्रैल सुबह करीब 6 बजे की है। पीड़ित रमेश कुमार डिंडोर (27), निवासी भागा तालाब (जिला डूंगरपुर), वर्तमान में पानेरियों की मादड़ी क्षेत्र में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी थी, जिसे अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने 9 अप्रैल को हिरणमगरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। थाना पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और संदिग्धों की तलाश जारी है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

सन्त कंवरराम के 141वें जन्मोत्सव पर कोठीबाग में सजेगी भजनों की शामः सिंधी समाज मनाएगा उल्लासपूर्ण उत्सव, व्यवस्थाओं को लेकर मोहल्ला पंचायत ने कसी कमर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर | सिंधी समाज के महान आध्यात्मिक संत और मानवता के प्रतीक, सन्त साईं कंवरराम साहिब का 141वां जन्मोत्सव आगामी 13 अप्रैल को कोठीबाग क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। जन्मोत्सव समारोह की तैयारियों और रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए कोठीबाग स्थित सन्त कंवरराम पार्क में सन्त कंवरराम मोहल्ला पंचायत की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस गौरवशाली अवसर को न केवल परंपरा के अनुसार, बल्कि समाज की अटूट आस्था के प्रतीक के रूप में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। पंचायत के संरक्षक प्रताप कारड़ा ने कार्यक्रम के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सन्त साईं कंवरराम साहिब का जन्मदिवस कोठीबाग स्थित उनके मंदिर परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ 13 अप्रैल को रात्रि 8 बजे से होगा। उन्होंने कहा कि संत कंवरराम साहिब के विचार और उनकी शिक्षाएं आज भी समाज के लिए प्रेरणापुंज हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए इस बार के उत्सव में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए पंचायत अध्यक्ष राजेश खत्री ने बताया कि जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर मंदिर परिसर में भक्ति की सरिता बहेगी। रात्रि 8 बजे से आयोजित होने वाले भजन-कीर्तन समारोह में भजन मंडलियों द्वारा संत साहिब की महिमा का गुणगान किया जाएगा। श्रद्धा और स्वर के इस संगम के पश्चात उपस्थित सभी भक्तों के लिए विशेष प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है। बैठक के दौरान कार्यक्रम के सफल संचालन और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न सदस्यों को पृथक-पृथक जिम्मेदारियां सौंपी गईं, ताकि उत्सव के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो।

इस महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक में समाज की कई वरिष्ठ विभूतियां उपस्थित रहीं, जिनमें पंचायत संरक्षक प्रताप कारड़ा और अध्यक्ष राजेश खत्री के साथ मनोहर कारड़ा, किशन कटारिया, हरिराम राजानी, पुष्पराज साहित्या, रवि कटारिया, चन्द्रलाल राजानी, अनिल रामेजा, दयालदास नारवानी, नवीन कारड़ा, विजय कारड़ा, शमनलाल तलरेजा, महेश चावला और धर्मेंद्र मंदवानी शामिल थे। पंचायत ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं और समाजसेवियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन उत्सव को सफल बनाएं और संत साहिब का आशीर्वाद प्राप्त करें।

एमबी अस्पताल में वेंटिलेटर पर पार्किंग, चोर-उचक्कों का चल रहा अमृत-काल!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के महाराणा भूपाल अस्पताल का हाथीपोल वाले एंटरेंस गेट पर पार्किंग की ठेका कंपनी का एक नाका लगा हुआ है। इस गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मी बहुत ही आराम की मुद्रा में है। एक तरफ मोबाइल पर रीलें स्क्रोल हो रही हैं तो दूसरी तरफ ट्राफिक अंदर और बाहर की तरफ भागे जा रहा है। पार्किंग की असलियत और जमीनी हकीकत जानने आज सुबह जब हमारी टीम अस्पताल पहुंची तो यह नजारा देखने को मिला। कैमरा ओन होते ही सुरक्षा गार्ड अचानक सतर्क हो गईं और फुर्ती दिखाते हुए आने जाने वालों को चेक करने लग गई। उसने वहां पर आराम की मुद्रा में बैठे दूसरे गार्डों को भी चेता दिया और इस तरह से आने जाने वाले वाहनों की चैकिंग शुरू हो गई। याने कैमरा ओन तो चैकिंग ओन। कैमरा ओफ तो नो टेंशन। यह हकीकत है महाराणा भूपाल अस्पताल के पार्किंग के लाखों के ठेकों की। पैसा जनता का बर्बाद हो रहा है और लगभग हर रोज इस परिसर से जनता के ही दुपहिया वाहन चोरी हो रहे हैं। इतने लंबे समय के बाद भी अस्पताल में पार्किंग का कोई भी एक फुलप्रूफ सिस्टम नहीं बन पाया जिसका लाभ चोर—उच्चक्कों को मिल रहा है। अस्पताल उनके लिए सोफ्ट टारगेट बन गया है। हमने अस्पताल परिसर का भी जायजा लिया तो पाया कि जगह—जगह वाहन बेतरतीब रूप से पार्क कर दिए गए हैं। याने ठेका कंपनी का एक ही मकसद लगता है कि किसी भी तरह से ठेका देने वालों को खुश रखो और महीने के महीने लाखों रूपए अपनी जेब में डालते रहो। कोई अकाउंटिबिलिटी नहीं है, कोई पूछने वाला नहीं है। हालात इतने खराब हैं कि दो दिन पहले नए कलेक्टर साहब गौरव अग्रवाल की विजिट हो गई लेकिन अस्पताल प्रशासन के जबर्दस्त मैनेजमेंट के चलते उनको पार्किंग का ये लाखों का खेल दिखाया ही नहीं गया। कलेक्टर साहब को निजी एंबुलेंसें दिख गईं और अगले ही दिन उनको हटाने के आदेश भी हो गए। मगर बड़ा सवाल ये है कि पार्किंग के ये वाले नजारे आखिर उनकी नजर में कब आएंगे। नेताओं और जन प्रतिनिधियों ने तो कब का अस्पताल को बेसहारा छोड़ दिया है। उनसे उम्मीद करना ही अंधों के आगे रोना, अपने दीदा खोना,,, जैसी कहावत का सच होने जैसा है। अगर आप भी एमबी अस्पताल जा रहे हैं तो आपको इस बीमार सिस्टम की सौगंध है कि घर से अपने वाहन को बांधने वाले सांकल साथ लेकर जाइये, पता नहीं कब किसी चोर का दिल आपके वाहन पर आ जाए। संभल कर रहिये और जुड़े रहिये 24 ट्वंटी फोर न्यूज अपडेट के साथ।

भावना कुंवर मौत मामले में पति हेमेन्द्र गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में एक विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला प्रतापनगर थाना क्षेत्र के बेडवास का है, जहां 2 अप्रैल को भावना कुंवर की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए थे। जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि मृतका भावना कुंवर, पत्नी हेमेन्द्र सिंह राजपूत, निवासी बेडवास, की ससुराल में संदिग्ध हालात में मृत्यु हो गई थी। इस घटना के बाद मृतका के पिता केसर सिंह राठौड़, निवासी मंदेरिया, थाना डबोक, ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए मौत पर संदेह जताया। प्रकरण में मर्ग संख्या 13/2026 दर्ज कर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां प्रकरण संख्या 01/2026 के तहत धारा 196 बीएनएसएस में जांच शुरू की गई। इस जांच का जिम्मा एसडीएम गिर्वा, आईएएस अधिकारी अबुला साईकृष्णा को सौंपा गया। जांच के दौरान मृतका के पिता सहित पीहर पक्ष के अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए गए। सभी ने भावना कुंवर की मौत को संदिग्ध बताते हुए गंभीर आशंका जताई। मामले की गंभीरता को देखते हुए 10 अप्रैल को मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञों के बयान भी दर्ज किए गए। मेडिकल बोर्ड ने अपनी प्राथमिक राय में मृत्यु को संदिग्ध माना। इसके बाद एसडीएम गिर्वा द्वारा जांच रिपोर्ट और न्यायालय की पत्रावली 10 अप्रैल को थाना प्रतापनगर भेजी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने प्रकरण संख्या 215/26 में धारा 80(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा के निर्देशन में वृताधिकारी नगर पूर्व सूर्यवीर सिंह राठौड़ ने कार्रवाई करते हुए आरोपी हेमेन्द्र सिंह (22), निवासी तलाई बेडवास, को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की जांच जारी है। भावना कुंवर की मौत आखिर हादसा थी या साजिश—इसका सच अब पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा।

जमीन हड़पने के लिए रची गई 'अधिकार पत्र' की साजिश, दो के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

24 न्यूज अपडेट

वल्लभनगर। उदयपुर के वल्लभनगर तहसील परिसर से धोखाधड़ी का एक गंभीर प्रकरण सामने आया है। एक व्यक्ति को बहला-फुसलाकर और झांसे में लेकर उसकी बेशकीमती जमीन के अधिकार पत्र (Power of Attorney) अपने पक्ष में करवाकर उसे खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित की शिकायत पर वल्लभनगर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित सोहनलाल भील (निवासी टांक, वल्लभनगर) द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य आरोपी बलवीर सिंह झाला ने उसे विश्वास में लेकर पहले भी उसकी जमीन बिकवा दी थी। इस बार आरोपी ने फिर से साजिश रची और सोहनलाल को तहसील कार्यालय लेकर आया। वहाँ उसे बातों में फंसाकर अपने पक्ष में एक 'अधिकार पत्र' निष्पादित करवा लिया। इस दस्तावेज के आधार पर आरोपी ने पीड़ित की जमीन को अन्य लोगों को बेच दिया। पुलिस ने बलवीर सिंह झाला (निवासी टांक) और चुन्नीलाल भील (निवासी उत्तावालिया ढीकली) को नामजद किया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी (पु.नि.) पुनाराम के निर्देशन में मामले की कमान सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) महेन्द्र कुमार को सौंपी गई है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें - desk24newsupdate@gmail.com

ई-कॉमर्स में 'रिटर्न' का महाफ्रॉडः 1.79 करोड़ के आईफोन और लैपटॉप पार, 52 फर्जी खातों से रची गई साजिश

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सामान मंगाना और उसे पसंद न आने पर 'रिटर्न' करना अब आम बात है, लेकिन इसी 'रिटर्न पॉलिसी' की आड़ में शातिर जालसाजों ने एक कंपनी को 1.79 करोड़ रुपये का तगड़ा चूना लगा दिया है। राजधानी जयपुर के सेज थाना इलाके में एक हाई-प्रोफाइल साइबर-ई-कॉमर्स धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसने पुलिस और टेक एक्सपर्ट्स के होश उड़ा दिए हैं।

तीन महीने, 52 खाते और सुनियोजित साजिश

करणी विहार निवासी और 'अधिकृत इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड' (अजयराजपुरा, कलवाड़ा सेज) के कर्मचारी चन्द्रप्रकाश सिंह (53) की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की है। पीड़ित के अनुसार, यह पूरा खेल नवंबर से फरवरी के बीच खेला गया। अज्ञात आरोपियों ने फ्लिपकार्ट जैसे बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 52 अलग-अलग ग्राहक खाते बनाए। इन खातों के जरिए बारी-बारी से हाई-प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स के ऑर्डर दिए गए।

असली आईफोन निकाला, नकली डिब्बे में डाला

धोखाधड़ी का तरीका इतना शातिर था कि वेयरहाउस प्रबंधन को भनक तक नहीं लगी। आरोपी गिरोह एप्पल, सैमसंग और लेनोवो जैसे महंगे ब्रांड्स के मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट ऑर्डर करते थे। डिलीवरी मिलने के बाद, आरोपी बड़ी सफाई से असली और कीमती सामान निकाल लेते थे और उसकी जगह हुबहू दिखने वाला नकली सामान पैक कर 'रिटर्न रिक्वेस्ट' डाल देते थे। कंपनी के पास जब पार्सल वापस पहुंचता, तो उसमें ब्रांडेड गैजेट्स की जगह केवल नकली खिलौने या कबाड़ निकलता था।

पुलिस की रडार पर 'पैकेजिंग चेन' और 'डिलीवरी नेटवर्क'

सेज थाना प्रभारी उदय सिंह शेखावत ने बताया कि पीड़ित का अजयराजपुरा में बड़ा वेयरहाउस है, जहां से बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक सामान की सप्लाई होती है। पुलिस अब फोकस कर रही है कि फर्जी खातों का लोकेशनः ये 52 अकाउंट्स देश के किस हिस्से से ऑपरेट हो रहे थे? तकनीकी जांचः साइबर टीम की मदद से आईपी एड्रेस और अकाउंट डिटेल्स तलाशी जा रही हैं। पुलिस को अंदेशा है कि इस खेल में डिलीवरी नेटवर्क या पैकेजिंग चेन से जुड़े लोग भी शामिल हो सकते हैं।

35 लाख के बिल के बदले मांगी थी घूस, आर्मी का इंजीनियर 2 दिन के रिमांड पर, 50 हजार लेते रंगे हाथों पकड़ा था

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। जयपुर के निवारू आर्मी कैंट में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा करते हुए सीबीआई ने असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर (AGE) सुधांशु सुमन को दबोच लिया है। 35 लाख रुपए का बिल पास करने की एवज में रिश्वत वसूलने के आरोपी सुमन को रविवार को जोधपुर में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के निवास पर पेश किया गया, जहाँ से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

90 हजार में हुआ था 'सौदा', पहली किश्त में धरा गया

आरोपी सुधांशु सुमन ने एक ठेकेदार के 35 लाख रुपए के बकाया बिल को क्लियर करने के बदले 90 हजार रुपए की डिमांड की थी। दोनों पक्षों के बीच डील फाइनल होने के बाद भ्रष्टाचार का यह खेल शुरू हुआ। जोधपुर सीबीआई के डीआईजी राजवीर सिंह के नेतृत्व में जाल बिछाया गया और शुक्रवार को जयपुर में कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

रंगे हाथों गिरफ्तारी और जयपुर से जोधपुर तक का सफर

सीबीआई की टीम ने आरोपी को उस वक्त गिरफ्तार किया जब वह रिश्वत की पहली किश्त के रूप में 50 हजार रुपए ले रहा था। शनिवार को गिरफ्तारी की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद टीम आरोपी को जयपुर से जोधपुर लेकर पहुंची। आज छुट्टी का दिन होने के कारण उसे जज के आवास पर पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड हासिल किया गया। निवारू आर्मी कैंट जैसे सुरक्षित इलाके में सीबीआई की इस छापेमारी ने विभाग के अन्य अधिकारियों में भी हड़कंप मचा दिया है। अब रिमांड के दौरान सीबीआई यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि क्या इस घूसकांड में कुछ और लोग भी शामिल हैं।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन हड़पने का आरोप, धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के सविना थाना क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन हड़पने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि मूल खातेदारी भूमि को बिना अनुमति और बिना किसी वैध विक्रय प्रक्रिया के तीसरे पक्ष के नाम चढ़ा दिया गया। पुलिस के अनुसार, मामला प्रकरण संख्या 140/2026 के तहत दर्ज किया गया है, जिसमें भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक न्यास भंग), 467, 468, 471 (जालसाजी एवं फर्जी दस्तावेजों का उपयोग) तथा 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत कार्रवाई की जा रही है। शिकायतकर्ता भैरूलाल धनावत, निवासी बोहरवाड़ी, खेरोदा (उदयपुर) ने आरोप लगाया है कि उनके मूल खाता संख्या 797 (नया) एवं 59 (पुराना) में दर्ज भूमि को आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर बिना उनकी सहमति के अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज करवा दिया। इस पूरे घटनाक्रम को सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया। मामले में मुख्य आरोपी के रूप में चन्द्रशेखर पुत्र पिताम्बर पाटनी, निवासी बांसवाड़ा का नाम सामने आया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है और दस्तावेजों की सत्यता की पड़ताल की जा रही है। जांच अधिकारी प्रीतमसिंह (सहायक उप निरीक्षक) के नेतृत्व में टीम मामले की तह तक जाने में जुटी है।

दो स्थाई वारंटी और फर्जी रजिस्ट्री का इनामी जालसाज गिरफ्तार, एसपी के अभियान को मिली बड़ी कामयाबी

24 न्यूज अपडेट

कुराबड़। उदयपुर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत कुराबड़ थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृताधिकारी (गिर्वा) गोपाल चंदेल के कुशल पर्यवेक्षण में कुराबड़ थानाधिकारी तेजु सिंह की टीम ने सुनियोजित तरीके से जाल बिछाकर तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो ऐसे अपराधी शामिल हैं जो लंबे समय से स्थाई वारंटी के रूप में फरार थे, वहीं एक अभियुक्त जमीन की फर्जी रजिस्ट्री मामले में वांछित था, जिस पर पुलिस ने 2000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पकड़ा गया इनामी अभियुक्त शंकर लाल (पिता हीरा लाल), जो मूल रूप से खरका का निवासी है और वर्तमान में उदयपुर के सेंट्रल एरिया में रह रहा था, जमीन की फर्जी रजिस्ट्री के मामले में पुलिस की हिट-लिस्ट में शामिल था। काफी समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहे शंकर लाल को तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया गया। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने जगन्नाथ (निवासी रातड़िया फला चासनदा) और देवी लाल (निवासी खारवा) को भी गिरफ्तार किया है, जो अलग-अलग अपराधिक मामलों में स्थाई वारंटी के तौर पर वांछित थे। इन गिरफ्तारियों के बाद क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम का नेतृत्व थानाधिकारी तेजु सिंह ने किया। टीम में सहायक उपनिरीक्षक गोवर्धनलाल, हेड कांस्टेबल रूपलाल व शांतिलाल, और कांस्टेबल मोहन सिंह, लाल सिंह, राजेन्द्र कुमार व नरेन्द्र सिंह की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस प्रशासन का कहना है कि वांछित अपराधियों के विरुद्ध यह कड़ा रुख आगे भी जारी रहेगा ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और भयमुक्त वातावरण बना रहे।

प्रताप नगर पुलिस की गिरफ्त से भागने का प्रयास विफल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत से भागने और ड्यूटी पर तैनात जाब्ते के साथ धक्का-मुक्की कर राजकार्य में बाधा डालने का एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 10 अप्रैल की दोपहर करीब 1:00 बजे कानपुर खेड़ा स्टेडियम के पास घटित हुई। सविना थाने में तैनात एएसआई नवीन कुमार (47) जब अपने जाब्ते के साथ ड्यूटी पर थे, तब अभियुक्त अम्बालाल गमेती उर्फ जितेन्द्र ने राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। बताया जा रहा है कि अभियुक्त ने न केवल पुलिस जाब्ते के साथ बदतमीजी की, बल्कि पुलिसकर्मियों को धक्का देकर मौके से भागने का प्रयास भी किया। एएसआई नवीन कुमार की लिखित रिपोर्ट पर प्रताप नगर थाना पुलिस ने एफआईआर संख्या 216/2026 दर्ज की है। पुलिस ने अभियुक्त अम्बालाल गमेती (29) निवासी खरबडिया (थाना हिरणमगरी) के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 262, 121 (1) और 132 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। यह धाराएं लोक सेवक के कार्य में बाधा डालने और वैधानिक कस्टडी से भागने के प्रयास से संबंधित हैं। थानाधिकारी पूरणसिंह के निर्देशन में इस मामले की अग्रिम जांच सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) देवीलाल को सौंपी गई है।

छात्र दोस्तों के साथ मिलकर पीटा, तीन नामजद सहित अन्यों पर मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश के चलते एक छात्र के साथ मारपीट और जानलेवा धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। सेक्टर-3 इलाके में हुई इस वारदात में आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से छात्र को अकेले बुलाया और फिर अपने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद सहित अन्य अज्ञात युवकों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की नई धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पीड़ित दीपक गुर्जर (19), जो मूल रूप से चाकसू (जयपुर) का निवासी है और वर्तमान में दर्शनपुरा इलाके में रहकर पढ़ाई कर रहा है, ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 10 अप्रैल की सुबह करीब 10:51 बजे आरोपियों ने उसे सेक्टर-3 में एक सुनसान जगह पर अकेले बुलाया। जैसे ही दीपक वहाँ पहुँचा, मुख्य आरोपी राजवीर सिंह राठौड़, भानुप्रताप सिंह राठौड़ और भानु बन्ना ने अपने अन्य अज्ञात साथियों को भी वहाँ बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर दीपक के साथ मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी दी। थानाधिकारी रविन्द्र सिंह के निर्देशन में मामले की कमान हेड कांस्टेबल भगवतीलाल को सौंपी गई है।

शादियों में 'मेहमान' और बैंकों में 'लुटेरे': उदयपुर पुलिस ने दबोची MP की कुख्यात 'कड़िया सांसी' गैंग, 40 लाख की शत-प्रतिशत रिकवरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान की उदयपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय अपराध की दुनिया में खौफ का पर्याय बनी मध्य प्रदेश की 'कड़िया सांसी' गैंग का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। सुखेर थाना पुलिस ने इस गैंग के दो शातिर इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 40 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। आरोपियों ने पूछताछ में देश भर में 50 से अधिक वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

11 मार्च की वारदात:

मेहमान बनकर आए और 'पड़ला' ले उड़े घटनाक्रम के अनुसार, 11 मार्च 2026 को महाप्रज्ञ विहार स्थित तेरापंथ भवन में नरेंद्र शर्मा के पुत्र शुभम की शादी का समारोह था। रात करीब 10:38 बजे, जब नरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नी गेट पर मेहमानों का स्वागत कर रहे थे, तभी बदमाशों ने मौका पाकर उनके पास रखा काले रंग का बैग चुरा लिया। इस बैग में दुल्हन के लिए रखे गए समस्त आभूषण (पड़ला) थे।

एसपी की विशेष टीम और 'ऑपरेशन मध्य प्रदेश'

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने त्वरित कार्रवाई के लिए टीम गठित की। एएसपी उमेश ओझा और डीएसपी राजेश यादव के मार्गदर्शन में थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की।

सीसीटीवी और मुखबिर तंत्र

घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण से पुलिस को एमपी के राजगढ़ जिले के 'कड़िया सांसी' और 'गुलखेड़ी' गांवों के बदमाशों की संलिप्तता का पता चला। आरोपियों की पहचान होने पर उन पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया।

दबिश और गिरफ्तारी

पुलिस टीम ने कई दिनों तक इन गांवों में रेकी की। गिरफ्तारी के दौरान बदमाशों ने भागने की कोशिश की, जिससे गिरने के कारण उन्हें चोटें भी आईं, लेकिन पुलिस ने उन्हें सफलतापूर्वक दबोच लिया।

पकड़े गए मास्टरमाइंड बदमाश

विकास (26): पुत्र सालकराम सांसी, निवासी मीरकाबाद (अशोकनगर, एमपी), वर्तमान निवासी कड़िया सांसी। नकुल (24): पुत्र राजकुमार सांसी, निवासी कड़िया सांसी (राजगढ़, एमपी)।

कबूलनामे की लंबी फेहरिस्त

राजस्थान से आंध्र प्रदेश तक नेटवर्क है। पूछताछ में सामने आया कि यह गैंग केवल शादियों में चोरी ही नहीं, बल्कि बैंकों से पैसे निकालकर निकलने वाले ग्राहकों की रेकी कर लूट भी करती थी।

अभियुक्त विकास सांसी की वारदातें:

सवाई माधोपुर (2024): शादी समारोह से 10 तोला सोना। बूंदी (2024): शादी से 15 तोला सोना। खाटू श्यामजी (2025): संगीत कार्यक्रम से जेवरात व नकदी। भीम, राजसमंद (2025): रिटायर्ड फौजी से 10 लाख की लूट। विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश (2025): शादी से सवा लाख नकदी। नासिक, महाराष्ट्र (2025): शादी से 12 तोला सोना। इसके अलावा भोपाल, नरसिंहगढ़, तिरुपति बालाजी और मुंबई में भी वारदातों को अंजाम दिया।

अभियुक्त नकुल सांसी की वारदातें:

परबतसर (18 मार्च 2026): सफाई कर्मी से 3 लाख की लूट। निवाई, टोंक (17 मार्च 2026): बैंक ग्राहक से लूट। पालनपुर, गुजरात: शादी समारोह से 6-7 तोला सोना। डीडवाना (2024): बैंक ग्राहक से नकदी चोरी। कांकरोली, राजसमंद (2022): बैंक के बाहर से 6 लाख की लूट। आहोर, जालौर (2023): बैंक ग्राहक से नकदी चोरी। हरियाणा (सोहना) और गुजरात (सरधाना) में भी बैंक ग्राहकों से लूट।

अपराधिक पृष्ठभूमि और पुलिस पर हमले का इतिहास

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बेहद शातिर है। आरोपी नकुल के पिता राजकुमार के खिलाफ भी चोरी, लूट और राजकार्य में बाधा के कई मामले दर्ज हैं। पूर्व में इस गैंग के सदस्यों और उनके परिवारों द्वारा पुलिस टीमों पर हमले करने के भी प्रकरण दर्ज हैं।

सफलता दिलाने वाली टीम

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थानाधिकारी भरत योगी, सउनि नारायण सिंह, हैड कानि श्रवण कुमार व रामकुंवार, कानि शंभूराम, अचलाराम, प्रकाश और साइबर सैल के लोकेश रायकवाल की विशेष भूमिका रही। फिलहाल पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में रिमांड पर पूछताछ कर रही है।

कानाखेड़ा विद्यालय में 'प्रवेशोत्सव' का उल्लास: तिलक और ऊपरना पहनकर नए आंगन में कदम रखने वाले नन्हे कदम, CBEO ने दिया 'ड्रॉप आउट' मुक्त पंचायत का मंत्र

24 न्यूज अपडेट

भूपालसागर (अरविंद गर्ग) | भूपालसागर उपखंड क्षेत्र के समीपवर्ती ग्राम कानाखेड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को 'प्रवेशोत्सव' के प्रथम चरण का आयोजन किसी उत्सव की भांति किया गया, जहां नवीन शिक्षा सत्र के आगाज के साथ ही विद्यालय प्रांगण में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत हुआ। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र मीणा एवं पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी जाकिर हुसैन मंसूरी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस समारोह का मुख्य उद्देश्य न केवल नामांकन बढ़ाना था, बल्कि विद्यार्थियों और अभिभावकों के भीतर राजकीय शिक्षा तंत्र के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करना भी रहा। समारोह के दौरान विद्यालय परिवार ने एक नई परंपरा का निर्वहन करते हुए नवागंतुक छात्र-छात्राओं को ऊपरना पहनाया, कुमकुम का तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया और मीठा मुंह करवाकर उन्हें विद्यालय की मुख्यधारा में शामिल किया। प्रवेशोत्सव के प्रथम चरण के आधिकारिक आंकड़े विद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता की पुष्टि करते हैं। इस सत्र की शुरुआत में कक्षा 9 में 12 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है, जबकि कक्षा 6 में 11 नए नामांकन दर्ज किए गए हैं। वहीं, प्राथमिक शिक्षा की नीव मजबूत करने के उद्देश्य से कक्षा 1 में 08 नन्हे बालकों का दाखिला किया गया है। इन आंकड़ों को विद्यालय प्रबंधन की सक्रियता और ग्रामीण परिवेश में बढ़ती शैक्षिक चेतना के परिणाम के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों ने नव-प्रवेशित बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें नियमित विद्यालय आने और लगन के साथ अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने शिक्षा के सार्वभौमीकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा केवल एक अवसर नहीं, बल्कि प्रत्येक बालक का मौलिक अधिकार है। सीबीईओ मीणा ने आह्वान किया कि विद्यालय स्टाफ और ग्रामीण परस्पर सहयोग से क्षेत्र के उन बच्चों को चिन्हित करें जो किन्हीं कारणों से पढ़ाई छोड़ चुके हैं (ड्रॉप आउट) या जिनका अभी तक कहीं नामांकन नहीं हुआ है। उन्होंने ऐसे बच्चों को पुनः मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता प्रतिपादित की, ताकि कोई भी बच्चा ज्ञान के प्रकाश से वंचित न रहे। शैक्षिक उल्लास से भरे इस कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के साथ-साथ बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक और अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में विनोद योगी, माधव लाल जाट, सत्यनारायण उपाध्याय, भारत कुमार, कमलेश कुमार, कैलाश चंद्र शर्मा और मसूद अली सहित कई ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी उपस्थितजनों ने राजकीय विद्यालय की गुणवत्ता सुधारने और नामांकन वृद्धि में पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

MLSU में 16वां प्रताप स्मृति व्याख्यान: इतिहासकारों ने कहा- बंगाल विभाजन से लेकर आजादी तक प्रेरणा बने महाराणा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महाराणा प्रताप केवल इतिहास के योद्धा नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय लोकतंत्र और संविधान के प्रेरणा स्रोत भी हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित '16वें महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान' में प्रख्यात इतिहासकारों ने प्रताप के शासन मूल्यों की वर्तमान प्रासंगिकता पर गहन विचार साझा किए। बप्पा रावल सभागार में हुए इस आयोजन में वक्ताओं ने रेखांकित किया कि स्वदेशी आंदोलनों से लेकर देश की एकता तक, प्रताप के सिद्धांत आज भी मार्गदर्शक हैं। मुख्य वक्ता और प्रख्यात इतिहासकार प्रो. शिव कुमार मिश्रा ने एक अहम तथ्य रखते हुए कहा कि भारतीय संविधान के निर्माण में प्रताप के शासन मूल्यों की गहरी छाप है। उन्होंने बताया कि बंगाल विभाजन के दौरान चले स्वदेशी आंदोलन में भी प्रताप ही सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत थे। उनकी सैन्य रणनीति और विपरीत परिस्थितियों में स्वाधीनता की रक्षा करने का जज्बा आज के भारत के लिए एक बड़ी सीख है।

'अकबर की बजाय प्रताप सम्राट होते तो मार्ग अलग होता' मुख्य अतिथि प्रो. बी.पी. शर्मा ने एक दिलचस्प पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि हल्दीघाटी युद्ध के समय स्थितियां भिन्न होतीं और प्रताप देश के सम्राट होते, तो जन-कल्याण का मार्ग कहीं अधिक सुदृढ़ होता। उन्होंने कहा कि प्रताप ने न केवल राजपूताने को एकजुट किया, बल्कि युद्ध काल में भी मर्यादाओं और प्रजा के हितों की रक्षा की।

स्वाभिमान और पर्यावरण प्रेम की मिसाल

कुलसचिव डॉ. वीसी गर्ग ने प्रताप के व्यक्तित्व के अनछुए पहलुओं जैसे पर्यावरण संरक्षण, पशु प्रेम और आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रताप की जनकल्याणकारी योजनाएं आज के शासन प्रशासन के लिए मॉडल हो सकती हैं। कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक प्रो. दिग्विजय भटनागर के स्वागत उद्बोधन से हुई, जिन्होंने प्रताप को सीमित संसाधनों में श्रेष्ठ प्रबंधन की मिसाल बताया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस गरिमामय आयोजन में शिक्षा जगत की कई जानी-मानी हस्तियां और शोधार्थी शामिल हुए। वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. रविन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. पुष्पा शर्मा, प्रो. मीना गौड़, प्रो. जे.के. ओझा, प्रो. विमल शर्मा, प्रो. चन्द्रशेखर शर्मा, प्रो. मदनसिंह राठौड़, प्रो. सुशीला शक्तावत। विशेषज्ञ एवं डॉक्टर्स डॉ. राजेन्द्रनाथ पुरोहित, डॉ. ईश्वरसिंह राणावत, डॉ. नवीन नन्दवाना, डॉ. पीयूष भादविया, डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. बालूदान बारहठ, डॉ. पंकज आमेठा। गणमान्य अतिथियों में मदनमोहन टांक, इन्द्रसिंह राणावत, चैनशंकर दशोरा, एमएमसीएफ के सीईओ मयंक गुप्ता, गिरीराजसिंह, डॉ. स्वाति जैन, डॉ. हंसमुख सेठ, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, डॉ. कुलशेखर व्यास, डॉ. राजेन्द्र कुमार, डॉ. प्रियदर्शी ओझा, डॉ. अदिति सोनी, डॉ. अजय मोची, डॉ. मोहित शंकर सिसोदिया, डॉ. प्रतापदान और डॉ. निशा मेनारिया शामिल थे। अन्य प्रतिभागी डॉ. प्रवेश, दिव्यांश सक्सेना, मुरली मनोहर, मनोहरदान, स्वाति, अनामिका, जूही, खुशबू, राहुल, नागराज, उमेश, दीपचन्द, दीपक और अजय रहे। मंच संचालन जूही उपाध्याय द्वारा किया गया और धन्यवाद डॉ. पीयूष भादविया ने ज्ञापित किया।

भूपालसागर सीबीईओ कार्यालय में गूंजा महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन दर्शन: शिक्षा को आत्मसम्मान का हथियार बना वंचितों को मुख्यधारा में लाने का लिया संकल्प

24 न्यूज अपडेट

भूपालसागर (अरविंद गर्ग)। शिक्षा की अलख जगाकर समाज की जड़ता को तोड़ने वाले महान युगदृष्टा और समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती गुरुवार को स्थानीय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अपूर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित विशेष संगोष्ठी में वक्ताओं ने फुले के जीवन संघर्षों को याद करते हुए उन्हें आधुनिक भारत में सामाजिक क्रांति का अग्रदूत बताया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने फुले के बताए मार्ग पर चलते हुए शिक्षा को केवल साक्षरता तक सीमित न रखकर उसे सामाजिक परिवर्तन और आत्मसम्मान का माध्यम बनाने का सामूहिक संकल्प दोहराया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता और अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण सिंह चुण्डावत ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में कहा कि महात्मा फुले ने उस अंधकार युग में शिक्षा की मशाल जलाई थी, जब भारतीय समाज जातिवाद और रूढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। उन्होंने रेखांकित किया कि फुले के लिए शिक्षा महज़ अक्षरों का ज्ञान नहीं, बल्कि शोषितों और वंचितों के लिए स्वाभिमान से जीने का एक अनिवार्य अधिकार थी। चुण्डावत ने आज के शिक्षक समुदाय और प्रशासनिक तंत्र का आह्वान किया कि वे फुले के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 'मिशन मोड' में कार्य करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज में व्याप्त ऊंच-नीच के कृत्रिम भेदभाव को मिटाकर ज्ञान के प्रकाश का प्रसार करना ही इस महान विभूति के प्रति सच्ची कार्यांजलि होगी। संगोष्ठी के दौरान विद्वान वक्ताओं ने महात्मा फुले के 'सत्यशोधक समाज' और महिला शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए क्रांतिकारी योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर उन्होंने महिला सशक्तिकरण की जो बुनियाद रखी, उसी का परिणाम है कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। कार्यक्रम में फुले के जीवन से जुड़े उन प्रसंगों को भी साझा किया गया, जो विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और साहस के साथ समाज सुधार के संकल्प को सिद्ध करने की प्रेरणा देते हैं। इस गरिमामय आयोजन में प्रशासनिक और शैक्षणिक जगत की कई विभूतियां उपस्थित रहीं, जिनमें प्रशासक प्यारचन्द भील, आर.पी. ओम प्रकाश पहाड़िया, प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र आगाल, लेखाकार प्रेमशंकर रेगर, चिकित्सा विभाग से प्रवीण रेगर, कानाखेड़ा प्रधानाचार्य जाकिर हुसैन, कृष्ण कुमार शर्मा, राकेश जैन, योगेश टांक, राज माली सेवा संस्थान के कैलाश चन्द्र माली, देवी लाल माली, शिक्षक रविकुमार और शारीरिक शिक्षक राकेश चौधरी सहित शिक्षा विभाग के कई कार्मिक एवं गणमान्य नागरिक शामिल थे। सभी ने महात्मा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके मानवतावादी संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का व्रत लिया।

अपनों ने छोड़ा साथ, 'प्रताप दल' बना परिवार: 158 लोगों की अस्थियों को लेकर हरिद्वार रवाना हुआ जत्था

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। रिश्तों की डोर जहाँ टूट जाती है, वहाँ सेवा और संस्कार की नई इबारत मेवाड़ प्रताप दल सेवा संस्थान लिख रहा है। अशोक नगर स्थित सार्वजनिक गौशाला एवं श्मशान स्थल पर पिछले एक साल से अपनों की राह देख रही 158 अस्थियों को संस्थान के कार्यकर्ताओं ने अपना माना है। इन अस्थियों के विसर्जन हेतु गुरुवार को संस्थान का 'प्रताप दल' गाजे-बाजे और भगवा ध्वज के साथ हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। संस्थान के कार्यकर्ता अब 'परिवार' बनकर गंगा की लहरों में इन आत्माओं की शांति के लिए तर्पण और अस्थि विसर्जन का शास्त्रोक्त विधान संपन्न करेंगे।

26 वर्षों से अनवरत जारी है संस्कारों का संरक्षण

संस्थान के जिला सचिव राकेश पालीवाल ने बताया कि यह सेवा कार्य पिछले 26 वर्षों से निरंतर जारी है। अशोक नगर गौशाला में एकत्रित इन अस्थियों के परिजनों से संपर्क करने के लिए समाचार पत्रों में सूचनाएं दी गई थीं और गौशाला परिसर में बैनर भी लगाए गए थे, लेकिन जब किसी ने सुध नहीं ली, तो संस्थान ने इस 'पुण्य कार्य' का उत्तरदायित्व संभाला। कार्यक्रम के दौरान शहर विधायक ताराचंद जैन और इंटक प्रदेश अध्यक्ष जगदीशराज श्रीमाली ने जत्थे को भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया। अतिथियों ने सराहा: 'हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण संस्कार' मुख्य अतिथि ताराचंद जैन ने संस्थान के इस सेवाभावी कार्य की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि लावारिस अस्थियों को सम्मानजनक विसर्जन प्रदान करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। वहीं, जगदीशराज श्रीमाली ने इसे हिंदू धर्म का एक अनिवार्य और महत्वपूर्ण संस्कार बताया। उन्होंने कहा कि 26 वर्षों का यह संकल्प समाज के लिए एक प्रेरणा है।

सेवा के इस सफर में शामिल रहे सहभागी

दो बसों में सवार होकर हरिद्वार के लिए प्रस्थान करने वाले 120 महिला-पुरुषों के इस जत्थे में समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी रही। संस्थान के पदाधिकारियों में संस्थापक लाला सालवी, जिला अध्यक्ष ओंकार जोशी, जिला सचिव राकेश पालीवाल, महिला अध्यक्ष मंजु गहलोत। मोहन सालवी, समाजसेवी गोपाल सालवी, धर्मोत्सव समिति अध्यक्ष दिनेश मकवाना। कार्यकर्ता एवं सदस्यों में शेरसिंह राठौड़, सुनील अहीर, बलवंत सालवी, नरेंद्र मनौती, खुशलेंद कुमावत, शैलेन्द्र घावरी और सुरेन्द्र सोनी सहित बड़ी संख्या में सेवाभावी नागरिक।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।